सैकडों डॉक्टर्स के पास 20 साल बाद भी पीजी की ओरिजिनल डिग्री नहीं

दरअसल 2007 से पहले राजस्थान यूनिवर्सिटी ही मैडिकल की परीक्षा करवाती और डिग्री भी जारी करती थी

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर सहित प्रदेश में ऐसे सैकड़ों डॉक्टर हैं जो 15 से 20 साल पहले पीजी कर स्पेशलिस्ट डॉक्टर बन गए। हॉस्पिटल्स में नियुक्त हो गए। प्रोफेसर और सीनियर प्रोफेसर के पद तक पहुंच गए लेकिन अब तक उनके पास पीजी की ओरिजिनल डिग्री नहीं है। वे अब तक एक प्रोविजनल डिग्री से काम चला रहे हैं। जहां भी ओरिजिनल की डिमांड होती है यह लिखकर देना पड़ता है कि अब तक मिली नहीं है। इसके साथ ही नेशनल मेडिकल काउंसिल या राज्य काउंसिल से मिला संबद्धता का प्रमाण-पत्र देकर छूट लेते हैं।

दरअसल वर्ष 2007 से पहले राजस्थान यूनिवर्सिटी ही मेडिकल की परीक्षा करवाती और डिग्री जारी करती थी। वर्ष 2007 में आरयूएचएस का गठन होने के बाद यह काम उसके जिम्मे आ गया। ऐसे में जिन्होंने पहले यहां से यूजी-पीजी कर ली उनकी डिग्री लंबे समय तक अटक गई। हालांकि यूनिवर्सिटी ने बाद में इसे जारी करने का क्रम शुरू किया लेकिन अब भी कई सालों की डिग्रियां अटकी हैं। इतना ही नहीं अब आवेदन करने पर जो डिग्री जारी की जा रही है उसे ओरिजिनल नहीं कहा जा सकता।

- 2007 में यह काम आरयूएचएस के पास आ गया
- जिन्होंने पहले यूजी-पीजी कर ली उनकी डिग्री अटक गई

वजह, राजस्थान यूनिवर्सिटी अपनी डिग्री हिन्दी में जारी करती थी। अब जो दे रही है उसमें लिखा होता है इंग्लिश वर्जन ऑफ हिन्दी डिग्री। ऐसे में यह भी ओरिजिनल होने की वजह उसका अंग्रेजी वर्जन ही है।

एमबीबीएस की डिग्री एक साथ जारी की आवेदन करो, अब तो एमएनआईटी तक की डिग्रियां दे रहे हैं। तक्षक राजस्थान यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार नलिनी तक्षक का कहना है, आधार कार्ड के साथ आवेदन करने पर डिग्री मिल जाएगी। पहले मेडिकल सहित एमएनआईटी की डिग्री भी यहीं से मिलती थी। ऐसे में अब उसकी डिग्रियां भी जारी कर रहे हैं। इंग्लिश वर्जन अभी दे रहे हैं। प्रयास करेंगे कि जल्द हिन्दी में पहले जैसी डिग्री उपलब्ध करवाएं।

बीकानेर के एसपी मेडिकल कॉलेज में वर्ष 2019 में एमबीबीएस की डिग्रियों का बंडल पहुंचा। इसमें भी लगभग 10 साल पहले तक एमबीबीएस कर चुके डॉक्टर्स की डिग्रियां थी। परेशानी क्या। इंटरनेशनल जनरल में रिसर्च पेपर भेजने, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस अटेंड करने सहित प्रदेश से बाहर नियुक्ति के समय पड़ती है जरूरत 2007 तक मेडिकल की परीक्षाएं राजस्थान यूनिवर्सिटी के अधीन होती थी, इसके बाद यह आरयूएचएस के अधीन हो गई, ऐसे में मेडिकल की डिग्रियां अटक गईं।

सूचना लीक होने पर एसीबी सीआई निलंबित

हनुमानगढ़, (निसं.)। ट्रैप कार्यवाही से पूर्व ही सूचना लीक होने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो महोनिदेशक बीएल सोनी ने हनुमानगढ़ एसीबी चौकी प्रभारी सुभाषचंद्र ढि ल निरीक्षक को निलंबित किया है। साथ ही हनुमानगढ़ एसीबी चौकी प्रभारी का अतिरिक्त चार्ज श्रीगंगानगर एसीबी के डीवाईएसपी भूपेंद्र सोनी को दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक गत दिनों श्रीगंगानगर में रिश्वत रकम लौटाते रिवर्स ट्रैप हुए डॉक्टर के मामले में सूचना लीक करने की शिकायत पर निलंबित किया गया है।

जयपुर एसीबी की टीम की ओर से सीएचसी प्रभारी डॉ. रोहित चौधरी को पहले पीलीबंगा में ही पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया था, एक दिन पहले सूचना लीक होने के कारण प्रभारी श्रीगंगानगर चला गया था और रुपए लौटाने के लिए परिवादी को होटल बुला लिया था और तभी पकड़ा गया। स्थानीय स्तर पर सूचना लीक होने के कारण उनको निलंबित किया गया है। पीलीबंगा में यह खबर पहुंच गई थी जिस कारण जयपुर की टीम पीलीबंगा में ट्रेप नहीं पकड़ पाई और श्रीगंगानगर तक पीछा करना पड़ा।

आईआईटी, एनआईटी ज्वाइंट काउंसलिंग 2022-प्रथम मॉक सीट आवंटन 18 सितम्बर को

कोटा, (निसं)। देश के 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपलआईटी, 33 जीएफटीआई की 54477 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग जारी है। विद्यार्थी 21 सितम्बर 5 बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन व कॉलेज ब्रांचेंज की च्वाइसेज भर सकते हैं।

इस वर्ष विद्यार्थियों को आईआईटी-एनआईटी व ट्रिपलआईटी मिलाकर 112 कॉलेजों की 763 कॉलेज ब्रांचेंज की च्वाइस को भरने का विकल्प मिला है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि ज्वाइंस सीट काउंसलिंग का प्रथम मॉक सीट अलोकेशन 18 सितम्बर, रविवार को सुबह 11.30 बजे जारी किया जाएगा। मॉक सीट अलॉकेशन में 17 सितम्बर शाम 8 बजे तक जो विद्यार्थी अपनी कॉलेज च्वाइस भरेंगे, उनके आधार पर यह प्रथम मॉक सीट अलॉकेशन जारी किया जाएगा।

विद्यार्थी इन मॉक सीट आवंटन से अपनी कॉलेज ब्रांच मिलने का अनुमान लगा सकते है और उसके अनुरूप ही अपनी भरी हुई कॉलेज ब्रांच प्राथमिकता सूची में बदलाव भी कर सकते है। प्रथम राउंड का सीट आवंटन 23 सितम्बर को सुबह 10 बजे जारी किया जाएगा। यह काउंसलिंग प्रक्रिया 16 अक्टूबर तक छह चरणों में संपन्न होगी।

एएटी का परिणाम 17 सितम्बर को-एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया आईआईटी रूड़की ,खडगपुर और बीएचयू की आर्किटेक्चर ब्रांच के लिए करवाए गए एएटी परीक्षा: का परिणाम 17 सितम्बर को जारी किया जाएगा। विद्यार्थी इस तिथि के बाद ही इस परीक्षा को क्वालीफाई कर इन तीनों आईआईटी के लिए जोसा काउंसलिंग में आर्किटेक्चर ब्रांच को अपनी कॉलेज चॉइस की प्राथमिकता सूचि में भर सकते है

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं) । लोक सभाध्यक्ष ओम बिरला आज दोपहर में जोधपुर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पहुंचने पर उनका मंत्री शेखावत सहित राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, महापौर वनिता सेठ , ज़िला अध्यक्ष देवेन्द्र जोशी, देहात अध्यक्ष मनोहर पालीवाल, जगराम विशनोई सहित अनेक भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष बिरला शुक्रवार इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, नई दिल्ली से मध्याह्न 12.55 बजे प्रस्थान कर दोपहर 2.15 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे। जहां से वे सीधे सर्किट हाऊस पहुंचे। अपराह्न 3 बजे वे अमृतम् पैलेस में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में भाग लिया।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला का मंत्री शेखावत सहित कई नेताओं ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया।

अमृतम पैलेस में आयोजित जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की नेशनल यूथ कॉन्क्लेव में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आजादी के बाद जो विकास कार्य हुए, उसमें जैन समाज का बहुत बड्डा योगदान है। दुनिया में कितनी बड्डी चुनौती आ जाए, हम हर आपदा से निपटने में सक्षम है। वे आज जीतो के यूथ कॉन्क्लेव में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुनिया में परिवर्तन की ताकत आपने देखी है। हर देश और वहां की बड्डी कंपनी में भारत के नौजवान प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत में 100 साल का भारत कैसा होगा इस विजन के साथ काम किया है। शाम को वे सालवाकलां के समीप पिलार बालाजी पहुंचे।

एमकॉम के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्विधालय अजमेर विश्वविधालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रम एम कॉम स्नातकोतर के 2022-23 प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विश्वविधालय प्रवेश समिति के कन्वेनर प्रो नीरज भार्गव के अनुसार बीकॉम पार्ट तर्तीय का परीक्षा परिणाम जारी होने के कारण अब छात्र करा संकेगे ऑनलाइन फीस जमा साथ ही जिन छात्रों द्वारा पार्ट तृतीय के मार्क्स ऑनलाइन उपलोड नहीं कर सके है, वो छात्र ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। इस के लिए एडिट आप्शन दिया गया है। फीस जमा करने से पहले विभागाध्यक्ष छात्रों के मेरिट बनायेगा और छात्रों को पोर्टल पर वेरीफाई करेगा जैसे ही विभागाध्यक्ष छात्रों को पोर्टल पे वेरीफाई करेगा छात्र के पास फीस जमा करने का मैसेज आ जायेगा। इसके बाद छात्र विश्विधालय की वेब साइट पर अपने रेफरेंस नंबर से लॉग इन करके फीस जमा करा सकेगा।

सीमेंट बोर्ड की ओर से तय मजदूरी नहीं देने का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

सीमेंट कंपनी, सरकार व सेंट्रल चीफ लेबर कमीशनर से छह सप्ताह में जवाब मांगा

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय में सीमेंट बोर्ड की ओर से तय मजदूरी नहीं देने का मामला पहुंचा है। हाईकोर्ट ने इस मामले में सीमेंट कंपनी, सरकार व सेंट्रल चीफ लेबर कमीशनर से छह सप्ताह में जवाब तलब किया।

- नई दिल्ली सीमेंट बोर्ड ने मजदूरी सर्वसम्मति से तय की थी

नई दिल्ली स्थित सीमेंट बोर्ड ने सीमेंट उत्पादन मे जुड़ी सभी प्राइवेट कंपनियों व राष्ट्रीय स्तर के मज़दूर संगठनों को सुनने के बाद सीमेंट उद्योग में काम करने वाले मजदूरों का वेतन सर्वसम्मति से तय किया था लेकिन वास्तविकता में मजदूरों को इसका भुगतान नहीं किया जा रहा है।

याचिका को लेकर श्री सीमेंट पंजीकृत मज़दूर संगठन ने राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश अरुण भंसाली ने की। मज़दूर संगठन का पक्ष रखते हुए अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह बुटाटी ने कोर्ट को बताया कि संगठन से जुड़े करीबन 1300 मजदूरों को सीमेंट बोर्ड, दिल्ली द्वारा निर्धारित मज़दूरी, सीमेंट कंपनी द्वारा नही दी जा रही है। जब कभी मज़दूर तय मज़दूरी की मांग उठाते है, उन्हें या तो नौकरी से निकाल दिया जाता है, या तो उन पर पुलिस के मार्फत शान्ति भंग की कार्यवाही की जाती है।

अधिवक्ता बुटाटी ने बताया कि औधोगिक विवाद अधिनियम मे राजस्थान सरकार द्वारा संसोधन करने के कारण अब मज़दूर औधोगिक प्राधिकरण मे जाने से भी वंचित है। ऐसी स्थिति मे केवल हाईकोर्ट ही अपनी अधारभूत शक्तियो के तहत मजदूरों को न्याय दिला सकता है। इस पर हाईकोर्ट ने सीमेंट कंपनी समेत सरकार को छह सप्ताह के भीतर जवाब तलब किया है।

वकील ने खुद के क्लाइंट को ही ठगा

एक्सीडेंट में एक मामले में मिली 8 लाख की रकम हड़पी

अलवर, (निसं)। अलवर के एक वकील ने खुद के क्लाइंट को ही ठग लिया। एक्सीडेंट में एक की मौत व दो घायलों का 8 लाख रुपए का क्लेम खुद ने उठा लिया। पैसा क्लाइंट के खाते में ही आया, लेकिन वकील ने उनको बैंक ले जाकर पर्ची पर साइन कराकर रकम निकाल ली। क्लाइंट से कहा कि अभी क्लेम का पैसा नहीं आया है। जब पता लगा तो पुलिस में मुकदमा दर्ज हुआ। अब वकील नितिन जाटव को गिरफ्तार किया है।

कोतवाल राजेश शर्मा ने बताया कि 11 अप्रैल को नारायणपुर पुलिस थाना इलाके के मानाबास निवासी गौरी सहाय ऊर्फ गौरी शंकर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी मेरे लडके व भतीजे का 2018 में एक्सीडेंट हो गया था। जिसमें बेटे भीम सिंह की मौत हो गई थी। वहीं दो भतीजे घायल हुए थे।

आरोपी वकील नीतिन जाटव को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

एक्सीडेंट का मामला मालाखेडा थाने का था, इस एक्सीडेंट के एवज में मिले क्लेम की राशि को वकील ने धोखाधडी कर हड़प ली ।

एक्सीडेंट की क्लेम राशि वर्ष 2019 में सीधे बैंक में जमा हुई। जिसमें भीम सिंह के नाम 6.30 लाख रुपए, राजेंद्र के नाम 1.80 लाख एवं सचिन के नाम 70 हजार का क्लेम पास हुआ। वकील को इसका पता लगते ही उसने शातिर तरीके से बैंक से रकम निकलवाई। वह परिवादी को बाहर बैठा देता और खुद में बैंक में जाता। वहां उनसे रकम निकालने के लिए पर्ची पर साइन करा लेता। इसके बाद पैसा निकाल लेता। इसका उनको आभास नहीं होने दिया। वह उनसे कहता रहा कि अभी क्लेम का पैसा आया नहीं है और खुद बैंक से रकम निकाल ले जाता। इस तरह धोखाधडी करके के करीब 8 लाख रुपए हडप लिए। पुलिस ने अब धोखाधडी के मामले में वकील नितिन को गिरफ्तार कर लिया है।

रेलवे वर्कशॉप एसएसई 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा की टीम ने रेलवे वर्कशॉप में कार्रवाई को अंजाम देते हुए सीनियर सेक्शन इंजीनियर को 20 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी मुकेशचंद्र जाटव खुली नीलामी में हरे पेड़ों की कटाई और बेचान करने को लेकर ठेकेदार को परेशान नहीं करने की एवज में यह रिश्वत ले रहा था।

कोटा एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि मुकेश चंद्र जाटव वरिष्ठ खण्ड अभियंता (कार्य) सेकंड कार्यालय में सीनियर सेक्शन इंजीनियरिंग पद पर कार्यरत है। यह विंग रेलवे कॉलोनी के रखरखाव का कार्य करती है। इनका दफ्तर वर्कशॉप क्वार्टर के नजदीक है। इस मामले में परिवादी इमरान हुसैन और शरीफ खान ने शुक्रवार को ही परिवाद पेश किया था। इसमें बताया था कि फर्म हाड़ौती डिजिटल को खुली नीलामी में जुलाई में दो लाख और सितंबर में 14 लाख रुपए में हरे पेड़ों की कटाई और बेचान का ठेका मिला था। रेलवे कॉलोनी इलाके में हरे पेड़ों

- फर्म हाड़ौती डिजिटल को परेशान कर रहा था सेक्शन इंजीनियर

की कटाई करना शुरू कर दिया था, लेकिन सीनियर सेक्शन इंजीनियर जाटव इस कार्य में परेशान कर रहा था। साथ ही कटाई नहीं करने देता था। उससे बात करने पर ठेका राशि 16 लाख रुपए के तीन फीसदी के अनुसार 50 हजार रुपए की मांग कर रहा था।

इस संबंध में परिवादी 5-5 हजार रुपए की राशि दो बार पहले दे चुका है। शिकायत के बाद परिवार का सत्यापन करवाया, जिसमें आरोपी जाटव के रिश्वत मांगने की पुष्टि हो गई। इसमें 20 हजार रुपए शुक्रवार और शेष 20 हजार बाद में लेने पर सहमति बनी। शुक्रवार को परिवादी से आरोपी एसएसई जाटव 20 हजार रुपए लेते पकड़ा गया। इसके बाद एसीबी की टीम ने उसके कोटा स्थित निवास पर भी तलाशी शुरू कर दी है।

पीएचसी वार्ड बॉय के भरोसे

निवाई, (निसं)। राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरस में चिकित्सक व एएनएम का पद रिक्त होने से मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सरपंच शिवजीराम जाट सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि चिकित्सा विभाग की अनदेखी के चलते स्वास्थ्य केन्द्र पर असुविधा बनी हुई है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियुक्त चिकित्सक का स्थानांतरण हो जाने के 6 महीने बाद भी दूसरा चिकित्सक नहीं लगाया गया है। इसकी वजह से मरीजों को टोंक या निवाई जाना पड़ता है। पूर्व में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एक कंपाउंडर के भरोसे ही चल रहा था। जिसका भी एक माह पहले ट्रांसफर हो जाने से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरस अब वार्ड बॉय (चतुर्थ श्रेणी) कर्मचारी के भरोसे चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक लगाने के बजाय कार्यरत कम्पाउण्डर का भी ट्रांसफर करने के आदेश कर दिए हैं जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया है। स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम का पद भी 18 माह से रिक्त चल रहा है। जिसकी वजह से प्रसव पीड़ित महिलाओं को दूर-दराज में अन्यत्र ले जाना पड़ता है।

ऑनलाइन भरना होगा आवेदन-पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त भर्ती परीक्षा 2021 के तहत मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विस्तृत आवेदन-पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम भरना होगा। आयोग की वेबसाइट पर सेवावार पदक्रम तथा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। ऑफलाइन भरे गए आवेदन व सेवा प्राथमिकता क्रम को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- आरएएस परीक्षा 2021: 19 सितंबर से 3 अक्टूबर तक उपलब्ध रहेगा लिंक
- फाइनल सबमिट करने के बाद नहीं हो सकेगा संशोधन

आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि 19 सितंबर से 3 अक्टूबर 2022 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन विस्तृत आवेदन-पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम भरने का लिंक उपलब्ध रहेगा। निर्धारित समय के बाद इसके लिए कोई अवसर नहीं दिया जाएगा। आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा का आयोजन 20 व 21 मार्च 2022 को किया गया था। इसके परिणाम की घोषणा 30 अगस्त 2022 को की गई थी। मुख्य परीक्षा परिणाम में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों द्वारा उनकी एसएसओ आईडी में रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर माय रिक्रूटमेंट के अंतर्गत उपलब्ध डिटेल्ड फार्म कम स्क्रूटनी लिंक के माध्यम से विस्तृत आवेदन-पत्र व सेवा प्राथमिकता क्रम भरे जा सकेंगे।

विस्तृत आवेदन पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम ऑनलाईन भरने के बाद ही साक्षात्कार में प्रवेश दिया जाएगा। अटल ने कहा कि अभ्यर्थी द्वारा विस्तृत आवेदन पत्र एवं सेवा प्राथमिकता प्रपत्र फाइनल सब्मिट किये जाने के बाद कोई संशोधन स्वीकार्य नहीं होगा तथा इसके लिए अन्य कोई अवसर नही दिया जाएगा।

बजरी माफिया के झगड़े के बाद धुंधाडा में बाजार बंद

झगड़े में एक युवक की हत्या कर दी गई

जोधपुर, (कासं) । निकटवर्ती लूणी तहसील के धुंधाडा गांव में गुरूवार की देर रात बजरी माफियाओं के झगडे में एक युवक की हत्या कर दी गई। बाद में हत्या के आरोपी भाग गए । बुरी तरह जख्मी युवक को देर रात मथुरादास माथुर अस्पताल लाया गया मगर उसकी मौत हो गई। इधर रात से ही धुंधाडा गांव में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया। आज सुबह परिजन और रिश्तेदार के साथ कई ग्रामीण एमडीएम अस्पताल में जमा हो गए। इधर धुंधाडा गांव में भी बाजार बंद रहे। दोपहर तक एक आरोपी को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया जाना सामने आया है। अन्य आरोपियों की तलाश चल रही है।

पुलिस ने बताया कि गुरूवार की देर रात 11 बजे के आस -पास गाडियों में सवार कुछ लोगों ने ओमाराम पटेल नाम के व्यक्ति की कार को टक्कर मारी थी। फिल्मी स्टाइल में इनके बीच में टकराव हुआ था । बाद में ओमाराम की गाडी खनन क्षेत्र नदी में गिर गई। मगर ओमाराम

- पुलिस ने सोहनराम नाम के एक शख्स को हिरासत में लिया

गाडी में ही फंसा रह गया था। उसके साथ वाले घटना के बाद भाग गए थे। वापिस आकर देखा तो वह गाडी में फंसा हुआ बुरी तरह जख्मी हालत में मिला था । घायल ओमाराम पटेल की देर रात एक बजे मौत हो गई।

घटना के विरोध में धुंधाडा गांव में ग्रामीणों ने प्रतिष्ठानों को बंद रखे। धुंधाडा गांव में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोहनराम नाम के एक शख्स को हिरासत में लिया गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। आरंभिक पडताल में सामने आया कि लूनी क्षेत्र में बजरी के खनन को लेकर विवाद होता रहा है। रात में भी विवाद का कारण यही बना था।

17 दिन बाद भी नहीं लगा लुटरों का सुराग

पावटा, (निसं) । वार्ड न. 6 नई सब्जी मंडी में सुगना देवी को गोली मारने व उसके बडे बेटे संतोष गुप्ता से मारपीट कर घायल कर लाखों रुपये के गहनो की लूट मामले में पुलिस 17 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लगा पाई है।

पुलिस इस मामले में अंधेरे में तीर चलाकर आरोपियों को गिरतार करने का प्रयास कर रही है। प्रागपुरा पुलिस को शक है कि कोई बहुत समय से रेकी कर रहा था। जिसके चलते पुलिस ने आस -पास में अंदर व बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली लेकिन फुटेज में भी कोई ऐसा सुराग हाथ नहीं लगा है कि किसी संदिग्धों पर शक जाहिर किया जा सके।

पुलिस हर घटना के बाद आरोपियों को जल्द पकडने का दावा करती है कि लेकिन गत वर्षो के दौरान हो रही चोरी, लूटपाट, फायरिंग के एक भी मामले का पुलिस खुलासा नहीं कर सही है। वृत्ताधिकारी वृत्त कोटपुतली डॉ. संध्या यादव ने बताया कि इस मामले में पुलिस गहनता से जांच कर रही है। इस तरह की वारदातों को अंजाम देने वाले पुराने अपराधियों के रिकार्ड भी खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही पुलिस आरोपियों को गिरतार कर लेगी।

सचिन पायलट समर्थकों का दानिश अबरार के प्रति गुस्सा सातवें आसमान पर

आम सभा के संबोधन के दौरान सीएम गहलोत ने यह भी कहा कि सरकार संकट के समय अगर दानिश अबरार उनको सही सूचना नहीं देते तो शायद वे मुख्यमंत्री नहीं बने रहते एवं इस जगह पर नहीं होते

बामनवास, (निसं)। जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल कूद प्रतियोगिता अवलोकन को आए प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आमसभा के दौरान ऐसा कुछ कह दिया कि जिले में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के कार्यकर्ताओं में विधायक दानिश अबरार के प्रति गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया।

आम सभा के संबोधन के दौरान प्रदेश के मुखिया अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार संकट के समय अगर दानिश अबरार उनको सही सूचना नहीं देते यानी कि उनके लिए मुखबिरी नहीं करते तो शायद वे मुख्यमंत्री नहीं बने रहते एवं इस जगह पर नहीं होते। मुख्यमंत्री के सवाई माधोपुर विधायक अबरार को लेकर यह वक्तव्य जिले में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के समर्थकों के गुस्से में आग में घी का काम कर गया।

मुख्यमंत्री के आम सभा के दौरान सार्वजनिक इस वक्तव्य के बाद चर्चा का विषय रहा कि दानिश अबरार का राजनीतिक कैरियर केवल सचिन पायलट के बलबूते पर निर्भर था। 2018 के विधानसभा चुनावों में दानिश अबरार को टिकट मिलने से जीत तक का सफर भी सचिन पायलट की वजह से ही संभव हो सका था।

मुख्यमंत्री के व्यक्ति के बाद विधायक अबरार के प्रति सचिन समर्थकों में आक्रोश के बीच चर्चा का विषय रहा कि सरकार संकट के समय पायलट का साथ नहीं देकर विधायक अबरार ने पायलट की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया ही है उनके विश्वास को भी रौंदने का कार्य किया है। वहीं दूसरी ओर सचिन पायलट के चेहरे से चुनाव लड़ी बामनवास विधायक इंदिरा मीणा भी पायलट समर्थकों के आक्रोश के निशाने पर बनी हुई है। विधायक इंदिरा का टिकट सचिन पायलट का टिकट माना गया था एवं पायलट के चेहरे पर ही विधायक इंदिरा द्वारा हुआ बामनवास विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। लेकिन सरकार संकट के समय बड़े बंदी के दौरान विधायक इंदिरा की भी सचिन पायलट विरोधी गतिविधियां सामने आई इसके बाद से ही विधायक इंदिरा सचिन पायलट समर्थकों के विरोधी निशाने पर है।

- मुख्यमंत्री के सवाई माधोपुर विधायक अबरार को लेकर यह वक्तव्य जिले में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के समर्थकों के गुस्से में आग में घी का काम कर गया
- मुख्यमंत्री के इस ग्रामीण ओलंपिक खेल कूद प्रतियोगिता अवलोकन कार्यक्रम में वहां मौजूद विधायकों का स्वागत नहीं होना भी कार्यक्रम के बाद चर्चा का विषय बना रहा

गौरतलब है कि सवाई माधोपुर जिले में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के समर्थकों की संख्या बहुतायत है। इसके बाद चर्चाओं में पायलट समर्थकों ने कहा कि इसका जवाब आगामी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक परिणाम देकर किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री के इस ग्रामीण ओलंपिक खेल कूद प्रतियोगिता अवलोकन कार्यक्रम में वहां मौजूद विधायकों का स्वागत नहीं होना भी कार्यक्रम के बाद चर्चा का विषय बना रहा। इसी का एक नजारा यह देखने को मिला कि खंडार विधायक अशोक बैरवा नाराज होकर एकाएक मुख्यमंत्री के मन से उठकर चले गए जहां पर जिला प्रभारी मंत्री भजन लाल जाटव द्वारा बमुश्किल समझा इसका विधायक बैरवा को वापस मंच पर लाया गया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर चर्चा रही कि इस पूरे कार्यक्रम को किसी एक विशेष तबके या फिर विशेष व्यक्ति द्वारा हाईजैक कर लिया गया हो।

चर्चा रही कि कार्यक्रम तो पूरे जिले भर के राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल कूद प्रतियोगिता से जुड़े समापन का रहा था लेकिन यह केवल और केवल सवाई माधोपुर विधानसभा क्षेत्र विशेष का कार्यक्रम बनकर रह गया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान गंगापुर सिटी सहित विभिन्न जगह से पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग कर रोके जाने को लेकर भी कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी गई।